के चेयरमैन है कि वे जल्दी से इस गाडी को रवाना कर दें। हम यहां कानून पास कर देंगे और उसमें सुधार हो जाएगा

HRIM. RAJASEKARA MURTHY : Sir, are the Government aware that there are two kinds of no-banking companies, those who accept the public deposits and those who do not accept the public deposits? With regard to those companies which do not accept the public deposits, the Reserve Bank does not have any power to guide them or to take any action against them.

SHRI JASWANT SINGH : Sir, it is self-evident that the Reserve Bank is already acting under the authority and the power that it has. What I am submitting to the hon. Member is that, after all, there are limits to what the Reserve Bank can do. Therefore, there is a legislation which is pending with the Standing Committee. As soon as that is done, it will *be...(Interruptions)...*

केदारनाथ धाम के लिए हेलीकाप्टर सेवा

*634 **श्रीमती सविता शारदाः** क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

क्या केदारनाथ धाम के लिए हेलीकाप्टर सेवा शुरु करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है :
यदि हां , तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
इस संबंध में कब तक निर्णय लिए जाने की संभावना है?

नागर विमानन मंत्री (**श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन**) : (क) से (ग) पवन हंस हेलीकाप्टर्स लि0 नागर विमानन मंत्रालय के अधीन एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, जिसकी मई , 2003 के मध्य से जून, 2003 के अंत तक प्रयोगिक आधार पर अगस्तमुनि से केदारनाथ के लिए पांच सीटर बेल-407 हेलीकाप्टर से सेवाएं प्रचालित करने की योजना है ।

Helicopter service to Kedarnath Dham

†*634. SHRIMATI SAVITA SHARDA : Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state :

whether there is any proposal under Government's consideration for introducing helicopter service to Kedarnath Dham;

if so, the details thereof; and

by when a decision is likely to be taken in this regard?

†Original notice of the question was received in Hindi.

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI SYED SHAHNAWAZ HUSSAIN) : (a) to (c) Pawan Hans Helicopters Limited (A Public Sector Undertaking under the Ministry of Civil Aviation) has plans to operate, on experimental basis, a five-seater Bell-407 helicopter from Augustmuni to Kedarnath from middle of May, 2003 till the end of June, 2003.

श्रीमती सविता शारदाः धन्यवाद सभापति महोदय । सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहती हूं। इन्होंने अभी अपने उत्तर में बताया है कि एक फाइव सीटर बेल-407 हेलीकॉप्टर मई से शुरु होगा। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहती हूं कि कितने यात्री इसका लाभ उठा सकेंगे तथा इन्होंने किराए की क्या सीमाएं निश्चित की हैं जिससे अधिक से अधिक यात्री वहां जा सकें और सीनियर सिटीजन भी इसका लाभ उठा सकें?

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैनः सभापति जी, पवन हंस ने यह तय किया है कि वे केदारनाथ दर्शन के लिए हेलीकॉप्टर की सेवा शुरु करेंगे। यह अगस्तमुनि से केदारनाथ जाएगा और फिर केदारनाथ से अगस्तमुनि आएगा । यह करीब सोलह किलोमीटर की दूरी है। हम इसमें बेल-407 हेलीकॉप्टर लगाएंगे । केन्द्रीय सरकार पहली बार यह सेवा शुरु करने जा रही है । इसमें पैंतालीस मिनट का समय लगेगा और करीब आठ हजार रुपए का किराया होगा । दर्शन के लिए जो तीन हजार एक सौ रुपए लगते हैं, वह भी इससें ऐड होगा। एक अच्छी शुरुआत हम मई के महीने में करने जा रहे हैं ।

श्रीमती सविता शारदाः मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि दूरगामी धार्मिक स्थान जैसे केदारनाथ, गंगोत्री, यमनोत्री के लिए भी क्या आपकी सरकार कोई आयोजन कर रही है? एवं कैलाश मानसरोवर जाने के लिए चीन के सथ क्या आप कोई ऐसा करार करेंगे जिससे हमारे यात्रियों को वहां जाने में सुविधा रहे?

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैनः सभापति महोदय, पहले हम केदारनाथ में यह सेवा शुरु कर रहे हैं । अगर वह सेवा वहां सफल रही तो यमुनोत्री-गंगोत्री की सेवा भी हम शुरु करेंगे ।

श्री सभापति : क्या इन हेलीकॉप्टर में जनेश्वर मिश्र जा सकेंगे ?

श्रीमती सविता शारदाः सर, मैं मानसरोवर के लिए पूछ रही हूं ।...(व्यवधान) इन्होंने मानसरोवर वाला नहीं बताया ।

श्री सभापति : वह बता दिया ।

श्रीमती सविता शारदाः सर, नहीं बताया।

श्री सभापति : अच्छा , बता दीजिए ।

श्री सैयद शाहनावाज़ हुसैन : सर, वह अन्तर्राष्ट्रीय मामला है और वह विदेश मंत्रालय से संबंधित प्रश्न है ।

श्री सभापति : ठीक है। श्री बालकवि बैरागी। आप कहां जाना चाहते हो?

श्री बालकवि बैरागी: माननीय सभापति महोदय, मेरा अपना प्रश्न है और केवल केदारनाथ से संबंधित है। आप मई से सेवा शुरु कर रहे हैं इसके लिए तो आपको धन्यवाद, हालांकि यह यात्रा मुसाफिरों को बहुत मंहगी पड़ेगी। आप आठ हजार रुपया लेंगे। वहां पांच सीटर जाएगा तो 40 हजार रुपये की बुकिंग होगी । मेरा आपसे एक विशेष आग्रह है कि यह 14 कोलोमीटर का जो मार्ग है यह बहुत दुर्गम मार्ग हैं । क्या आप इस सिलसिले में पर्यटन मंत्रालय और दूसरा जो सड़क परिवहन मंत्रालय है, उनसे मिलकर और तीनों मंत्रालय बैठ करके कोई ऐसी व्यवस्था कर सकेंगे जिससे कि करीब लाख, डेढ़ लाख, दो लाख मुसाफिर जो वहां पहुंचते हैं उनको हम अधिक से अधिक सुविधा दे सकें? तीनों मंत्रालय यदि समन्वय करके कोई निर्णय करेंगे तो वह ज्यादा व्यावहारिक हो सकेगा। क्या इस दिशा में आप कुछ सोच सकेंगे?

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन: सभापति जी, उत्तरांचल सरकार से हम संपर्क में हैं और उनसे बातचीत हुई थी। ...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद: आप रोप वे लगा देते ।

श्री सभापति : उसमें धन लगता है।..(व्यवधान)... आप बोलने दीजिए ।..(व्यवधान)...

श्री लालू प्रसाद: सभापति महोदय, पवन हंस हेलीकॉप्टर और 45 किलोमीटर का रास्ता, क्लाउडी वैदर, ऊंचा पहाड़, और सेफ्टी का क्या आपने कोई इंतजाम किया है?

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : जी।

श्री लालू प्रसाद: कई बार देखा गया है कि आतंकवादी लोग उनको मार देते हैं जो कि धर्म के लिए लोग जाते हैं।

श्री सभापति : सेफ्टी के बारे में आपने क्या किया है?

श्री लालू प्रसाद: उसके लिए क्या कोई इंतजाम किया है, कोई मीटिंग की है और क्या निर्णय हुआ या हवा में ही पवन हंस को आप चला रहे हैं?

श्री सैयद शाहनावाज़ हुसैन : सभापति जी, हेलीकॉप्टर तो हवा में ही उड़ता है। हेलीकॉप्टर पर देश में सबसे ज्यादा लालू जी ही सफर कर चुके हैं। हम लोग बिहार में इनको हेलीकॉटर पर

" ही देखते रहते हैं। मैं इनसे अनुरोध करुंगा कि पहली यात्रा पूरी तरह सेफ है और हम जो पहली उड़ान शुरु कर रहे हैं आप उसमें जा सकते हैं।

श्री सभापतिः पहली उड़ान में आप दोनों को भेजिए । ....(व्यवधान)... नहीं , एक मिनट । आप उड़ान में इनको और जनेश्वर मिश्र जी को साथ ही भेज दीजिए । ....(व्यवधान)...

श्री लालू प्रसादः देखिए हिन्दू धर्म में वे लोग तीर्थ करने जाते हैं जो लाइकली टू रिटायर हैं या जाने वाले हैं । अभी हम तो जाने वाले नहीं हैं, अभी तो हम रहने वाले हैं । आप सुन लीजिए । इसलिए ऐसे लोग जो कि जल्दी जाने वाले हैं वे घूम कर धर्म-कर्म कर लें ।

श्री बालकवि बैरागी : सर, मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं आया ।

श्री सभापति : नहीं , आ गया । ....(व्यवधान)...

DR. RAJA RAMANNA: Sir, the Minister of Tourism has done an excellent job in various places to improve tourist facilities so that tourists can go there. But I would like to bring to the attention of the Minister, through you. Sir, that in places of pilgrimage, to provide more facilities so that more and more people can go there, would be disastrous. In fact, they mess up the place, and the sanctity of the place is lost. It is better that they undertake these journeys when they are young rather than when they are old. ... *(Interruptions)*....

SHRIMATI SHABANA AZMI: They do not have time.

DR. RAJA RAMANNA : If they do not have time, they should fine other heavens to go to ... *(Interruptions)*...

AN HON. MEMBER: He is speaking the reverse of what Shri Lalu Ji was saying.

DR. RAJA RAMANNA : I am absolutely saying the reverse because I have seen how these places are being spoilt—Gangotri; all these places—one after the other. They are just disastrous, the way they have been maintained. I do not think any special religious virtue is left after all the mess that has been done. Badrinath is another one about which I would say, 'how unpleasant it is to go to'. Kedarnath is beautiful because of the few miles that you have to walk, and Sir, I would suggest to the Minister to leave it as it is.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : सर, वह तो जो वहां की मैंनेजमेंट है वह सफाई का ध्यान रखती है। हम तो लोगों को वहां पहुंचाने का काम करेंगे ।....(व्यवधान)...

श्री एस0एस0 अहलुवालिया: सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि दसम् गुरु गोविन्द सिंह जी महाराज की तपो भूमि हेमकुंड साहिब भी बदरीनाथ के नजदीक वैली ऑफ प्लावर्स के सथ पड़ती है जहां कि लाखों की संख्या में लोग जाते हैं। तो क्या यह हैलीकॉप्टर सेवा आप हेमकुंड साहिब के लिए भी शुरु करेंगे?

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : सभापति महोदय, मैं बिहार का हूं और गुरु गोविंद सिंह जी का जन्म स्थान पटना साहिब है, इसलिए मैं उनका बहुत ही आदर करता हूं। मैं यह मानता हूं कि यह हम हैलीकॉप्टर की पहली सेवा केदारनाथ के लिए शुरु कर रहे हैं और अगर यह सफल हुई तो इस तरह की सेवा और जगह भी शुरु करेंगे।

श्री सभापति : प्रश्न संख्या 635।

नदियों को जोड़ने के लिए विश्व बैंक से ऋण

*635 **श्री रमा शंकर कौशिक:** क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार नदियों को जोड़ने के लिए विश्व बैंक से ऋण ले रही है;

(ख) यदि हां, तो ऋण की राशि कितनी है और क्या सरकार ने इस ऋण को लेने के लिए कोई जल नीति बनाई है;

(ग) यदि हां, तो नीति का ब्यौरा क्या है;

(घ) देश में वर्तमान में पानी की उपलब्धता क्या है;

(ड़) क्या सरकार विदेशी दवाब में नदियों को बेचने जा रही है;

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) यदि नहीं, तो 16 मार्च के राष्ट्रीय सहारा में प्रकाशित समाचार पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है।

जल संसाधन मंत्री (श्री अर्जुन चरण सेठी): (क) से (छ) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क)से (ग) नदियों को जोड़ने के लिए सरकार द्वारा विश्व बैंक से ऋण लिए जाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। अत: ऋण लेने के लिए राशि और नीति का प्रश्न नहीं उठता।